॥ एकश्लोकी दुर्गा ॥

ॐ दुर्गायै नमः ।
या अम्बा मधुकैटभप्रमथिनी या माहिषोन्मूलिनी
या धूम्रेक्षण चन्डमुण्डमथिनी या रक्तबीजाशिनी ।
शक्तिः शुम्भनिशुम्भदैत्यदलिनी या सिद्धलक्ष्मीः परा
सा दुर्गा नवकोटिविश्वसहिता मां पातु विश्वेश्वरी ॥